चिवनिग-अटल बिहारी वाजपेई छात्रवृत्ति योजना

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार ने **चिवनिग-अटल बिहारी वाजपेयी उत्तर प्रदेश राज्य सरकार छात्रवृत्ति योजना** के लिये **ब्रिटेन के विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय (FCDO**) के साथ एक **समझौता ज्ञापन (MoU)** पर हस्ताक्षर किये हैं।

मुख्य बिदु

- **योजना के बारे में:**
    - इस समझौता ज्ञापन पर भारत में ब्रिटिश उच्चायुक्त **लिंडी कैमरून** ने लखनऊ में **मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ** की उपस्थिति में हस्ताक्षर किये।
    - उत्तर प्रदेश सरकार ने चालू वित्तीय वर्ष (2025-26) में इसके लिये **2 करोड़ रुपए** आवंटित किये हैं।
    - योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश के **पाँच मेधावी छात्रों** को प्रतिवर्ष ब्रिटेन के अग्रणी विश्वविद्यालयों में मास्टर डिग्री करने का अवसर मिलेगा।
- **उद्देश्य:**
    - इस छात्रवृत्ति का उद्देश्य उत्तर प्रदेश के **मेधावी छात्रों को** अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा, अनुसंधान और नेतृत्व में उत्कृष्टता प्राप्त करने में सक्षम बनाकर उन्हें सशक्त बनाना है।
        - साथ ही इसका उद्देश्य **राज्य की शिक्षा प्रणाली में परिवर्तन लाना** तथा छात्रों को वैश्विक नेतृत्व की भूमिका के लिये तैयार करना है।
- **समय-सीमा:**
    - कार्यक्रम वर्ष 2025-26 के शैक्षणिक सत्र से प्रारम्भ होगा और तीन वर्षों तक चलेगा। वर्ष 2028-29 से इसे पुनः नवीनीकृत करने की संभावना है।
- **वित्तीय प्रावधान:**
    - छात्रवृत्ति के अंतर्गत **ट्यूशन फीस, परीक्षा एवं अनुसंधान शुल्क, जीवन-यापन भत्ता** तथा ब्रिटेन आने-जाने का **हवाई किराया** शामिल है।
- **लागत:**
- प्रति छात्र अनुमानित कुल व्यय 38,048 पाउंड से 42,076 पाउंड (लगभग 45–48 लाख रुपए) होगा।
- **राज्य सरकार का योगदान:** लगभग 19,800 पाउंड (23 लाख रुपए)। शेष राशि का वहन FCDO द्वारा किया जाएगा।
- **छात्र चयन:**
    - प्रत्येक वर्ष पाँच छात्रों को प्रतिष्ठित ब्रिटिश विश्वविद्यालयों, **ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, एडिनबर्ग विश्वविद्यालय** तथा **लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड पॉलिटिकल साइंस** में अध्ययन हेतु पूर्ण छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी।
- **सामरिक महत्त्व:**
    - यह योजना भारत और ब्रिटेन के बीच बढ़ते सहयोग को दर्शाती है, विशेष रूप से **प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की** हाल की ब्रिटेन यात्रा के बाद, जहाँ उन्होंने **व्यापार समझौते** तथा **विज़न 35** पर हस्ताक्षर किये, जिससे व्यापार एवं शिक्षा के लिये नए रास्ते खुले।